IndiaAI कंप्यूट पोर्टल: सब्सिडी वाले GPU तक पहुँच

तकनीक / नीति | समाचार संदर्भ: लोक सभा उत्तर, 29 जुलाई 2026 | प्रकाशित: 19 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

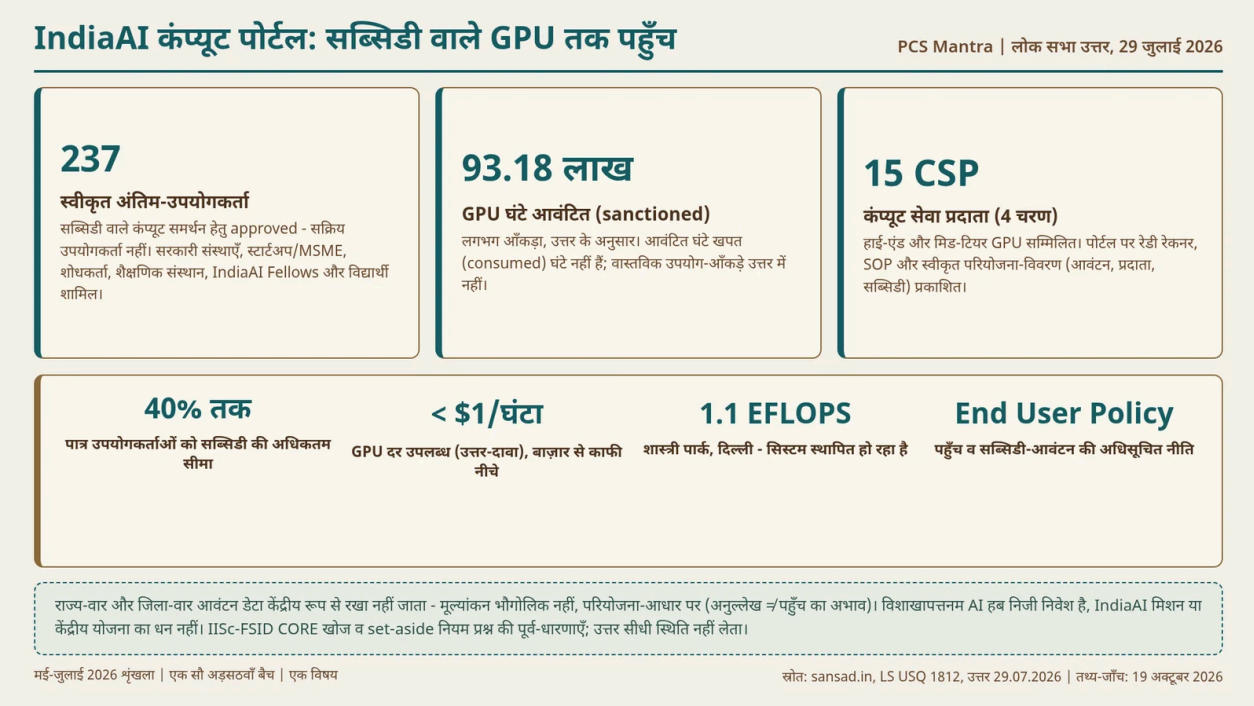
AI मॉडल बनाने के लिए GPU जैसी महंगी कंप्यूटिंग क्षमता सबसे बड़ी रुकावट है। IndiaAI मिशन के सात पिलरों में से एक कंप्यूट पिलर सब्सिडी वाले GPU द्वारा स्टार्टअप, MSME, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों तक यह क्षमता पहुँचाना चाहता है। लोक सभा प्रश्न 1812 में पूछा गया: क्या सरकार राज्य-वार GPU पहुँच के आँकड़े रखती है और शीर्ष दस राज्य/जिले कौन से हैं; IISc-FSID CORE की वह खोज कि GPU पहुँच बेहतर प्रस्ताव लिखने वालों के पक्ष में जाती है, उस पर क्या कार्रवाई हुई; और विशाखापत्तनम AI हब में केंद्रीय धन गया है या निजी AI-कंप्यूट निवेश पर सार्वजनिक अनुसंधान हेतु क्षमता आरक्षण का नियम बन रहा है या नहीं।

खबरों में क्यों

29 जुलाई 2026 को लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1812 (श्री श्रीभरत मथुकुमिल्ली) के उत्तर में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने बताया: चार चरणों की एम्पैनलमेंट में 15 कंप्यूट सेवा प्रदाता (CSP) जुड़े, हाई-एंड और मिड-टियर दोनों GPU के साथ; सब्सिडी वाले कंप्यूट समर्थन के लिए 237 अंतिम-उपयोगकर्ता स्वीकृत और लगभग 93.18 लाख GPU घंटे आवंटित (sanctioned); मांग-समुच्चयन और प्रतिस्पर्धी मूल्य-खोज से दरें बाज़ार से काफी नीचे सुरक्षित हुईं – पात्र उपयोगकर्ताओं को 40% तक की सब्सिडी के साथ GPU 1 अमेरिकी डॉलर प्रति घंटे से कम में उपलब्ध। कंप्यूट पोर्टल एकल-खिड़की मंच के रूप में चालू है, तैयार रेडी रेकनर और SOP सहित। NIC डेटा सेंटर, शास्त्री पार्क, दिल्ली में लगभग 1.1 EFLOPS का हाई-परफॉर्मेंस AI कंप्यूट सिस्टम स्थापित किया जा रहा है।

उत्तर का दायरा, जैसा उत्तर ने दिया

चार सावधानियाँ: (1) 237 स्वीकृत उपयोगकर्ता और 93.18 लाख GPU घंटे आवंटन (sanctioned) के आँकड़े हैं – वास्तविक उपयोग (consumed) के आँकड़े उत्तर में नहीं; (2) “40% तक सब्सिडी” पात्र उपयोगकर्ताओं के लिए अधिकतम सीमा है और “1 डॉलर/घंटे से कम” उपलब्ध दर का दावा – दोनों सार्वभौम शुल्क नहीं; (3) राज्य/जिला-वार आवंटन डेटा केंद्रीय रूप से रखा नहीं जाता – इसका अर्थ राज्यों में पहुँच का अभाव नहीं; मूल्यांकन भौगोलिक नहीं, परियोजना-आधार पर होता है; (4) IISc-FSID CORE की खोज और set-aside नियम प्रश्न की पूर्व-धारणाएँ हैं – उत्तर ने न खोज की पुष्टि/खंडन किया, न कोई set-aside नियम घोषित।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

उत्तर का विषय (जस का तस)	**लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1812, उत्तर 29.07.2026; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद); MP: श्री श्रीभरत मथुकुमिल्ली; दो पृष्ठ।**
कंप्यूट पिलर का लक्ष्य (जस का तस)	IndiaAI मिशन के तहत स्केलेबल, सुलभ और सॉवरिन AI कंप्यूटिंग पारिस्थितिकी; लक्षित: स्टार्टअप, MSME, शोधकर्ता, शिक्षा-जगत, सरकारी संस्थाएँ और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन।
आपूर्ति पक्ष (जस का तस)	15 कंप्यूट सेवा प्रदाता (CSP) एम्पैनल्ड, चार चरणों में, हाई-एंड व मिड-टियर GPU सम्मिलित। इसके अतिरिक्त NIC डेटा सेंटर, शास्त्री पार्क, दिल्ली में लगभग 1.1 EFLOPS का हाई-परफॉर्मेंस AI कंप्यूट सिस्टम स्थापित किया जा रहा है – सॉवरिन क्षमता बढ़ाने और विदेशी कंप्यूट पर निर्भरता घटाने हेतु।
मांग पक्ष (जस का तस)	सब्सिडी वाले कंप्यूट समर्थन हेतु 237 अंतिम-उपयोगकर्ता स्वीकृत; लगभग 93.18 लाख GPU घंटे आवंटित – सरकारी संस्थाओं, स्टार्टअप व MSME, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों, IndiaAI Fellows और विद्यार्थियों में।
दरें व सब्सिडी (जस का तस)	मांग-समुच्चयन (demand aggregation) और प्रतिस्पर्धी मूल्य-खोज से कंप्यूट दरें प्रचलित बाज़ार मूल्य से काफी नीचे; पात्र उपयोगकर्ताओं के लिए 40% तक सब्सिडी; GPU पहुँच 1 अमेरिकी डॉलर प्रति घंटे से कम दर पर उपलब्ध (उत्तर का दावा)।
पोर्टल व शासन (जस का तस)	IndiaAI कंप्यूट पोर्टल (compute.indiaai.gov.in) खोज, अनुरोध और पहुँच का एकल-खिड़की मंच; बिलिंग/उपयोग के रेडी रेकनर व SOP प्रकाशित; स्वीकृत परियोजनाओं के विवरण (आवंटन, प्रदाता, सब्सिडी) पारदर्शिता हेतु पोर्टल पर। GPU पहुँच और सब्सिडी आवंटन के लिए End User Policy अधिसूचित – पात्रता और विधि परिभाषित।

राज्य/जिला आँकड़े (उत्तर की स्थिति)	राज्य-वार और जिला-वार आवंटन डेटा केंद्रीय रूप से रखा (maintain) नहीं जाता; उत्तर के अनुसार पारिस्थितिकी देशभर में फैली है और आवेदन भौगोलिक आधार पर नहीं, परियोजना-आधार पर मूल्यांकित होते हैं।
विशाखापत्तनम AI हब (जस का तस)	विशाखापत्तनम में घोषित AI हब निजी निवेश है; IndiaAI मिशन या किसी अन्य केंद्रीय योजना से वित्तपोषित नहीं। सरकार आंध्र प्रदेश के AI पारिस्थितिकी में निजी क्षेत्र की रुचि से अवगत (cognizant) है।

सब्सिडी वाला कंप्यूट कैसे काम करता है

आपूर्ति और मांग का जुड़ाव: चार चरणों में 15 CSP एम्पैनल्ड करके आपूर्ति जुटाई; उपयोगकर्ता पोर्टल पर अनुरोध करते हैं; मांग-समुच्चयन से सरकार ने प्रतिस्पर्धी मूल्य-खोज कराई और दरें बाज़ार से नीचे बंधाईं; पात्र उपयोगकर्ताओं को 40% तक सब्सिडी – यही डिज़ाइन "सस्ती कंप्यूट" का इंजन है।

मंजूरी बनाम उपयोग: 237 स्वीकृति और 93.18 लाख घंटे आवंटन पाइपलाइन दिखाते हैं, खपत नहीं। sanctioned से consumed तक का अंतर समय-सीमा, परियोजना-तैयारी और वास्तविक उपयोग पर निर्भर करता है – उत्तर खपत-आँकड़े नहीं देता।

EFLOPS क्या है: EFLOPS सुपरकंप्यूटिंग गति का माप है (प्रति सेकंड 10 की घात 18 फ्लोटिंग-पॉइंट संक्रियाएँ)। शास्त्री पार्क का लगभग 1.1 EFLOPS सिस्टम CSP-आधारित मॉडल के समानांतर सरकारी-स्वामित्व की क्षमता जोड़ेगा (उत्तर में "स्थापित किया जा रहा है" – चालू नहीं)।

उत्तर को सही पढ़ना

स्वीकृति बनाम उपयोग: 237 "approved for subsidized compute support" और 93.18 लाख घंटे "sanctioned" शब्द उत्तर के ही हैं। इन्हें सक्रिय उपयोग या खपत पढ़ना गलत होगा।

दरों की सटीक शर्तें: सब्सिडी "up to 40%" है – हर उपयोगकर्ता को 40% नहीं; दर "less than USD 1 per hour" उपलब्धता का दावा है, मानक शुल्क नहीं; "significantly below market" की तुलना-सीमा उत्तर में नहीं दी।

अनुल्लेख ≠ अस्तित्व का अभाव: राज्य/जिला-वार डेटा केंद्रीय रूप से न रखना डेटा-व्यवस्था का ब्योरा है, किसी राज्य में पहुँच के अभाव का प्रमाण नहीं। उत्तर स्पष्ट करता है: मूल्यांकन परियोजना-आधार पर होता है।

प्रश्न-पूर्वधारणा बनाम उत्तर: IISc-FSID CORE की "प्रस्ताव-लेखन पक्षपात" खोज और निजी निवेश पर set-aside नियम प्रश्न में हैं। उत्तर ने इन पर सीधी स्थिति नहीं ली – End User Policy, निरंतर समीक्षा और नए आवेदकों की outreach/handholding बताई।

तिथि-स्कोप: आँकड़े 29.07.2026 के उत्तर तक के हैं; शास्त्री पार्क सिस्टम "स्थापित किया जा रहा है" (प्रगति पर)। अक्टूबर 2026 की वर्तमान संख्या/स्थिति का दावा इस उत्तर से नहीं बनता।

किन निष्कर्षों से बचना चाहिए?

"237 उपयोगकर्ता GPU चला रहे हैं": अतिविस्तार। 237 स्वीकृत हैं; वास्तविक उपयोग-आँकड़े उत्तर में नहीं।

"93.18 लाख GPU घंटे खपत हुए": गलत पठन। इतने घंटे आवंटित (sanctioned) हुए; खपत (consumed) का आँकड़ा नहीं दिया गया।

"GPU सबको 1 डॉलर/घंटे में": शर्तें गायब। पात्र उपयोगकर्ताओं को 40% तक सब्सिडी के साथ 1 डॉलर से कम दर उपलब्ध (उत्तर-दावा) – सार्वभौम शुल्क नहीं।

"सरकार ने bias स्वीकार किया" या "खारिज किया": दोनों असमर्थित। उत्तर CORE की खोज पर सीधे नहीं बोलता; नीति-व्यवस्था (End User Policy, समीक्षा, outreach) बताता है।

"विशाखापत्तनम हब केंद्र-वित्तपोषित": उल्टा। उत्तर के अनुसार यह निजी निवेश है; IndiaAI मिशन या केंद्रीय योजना का धन नहीं गया।

"छोटे राज्यों/जिलों तक पहुँच नहीं": अनुमान। राज्य-वार डेटा केंद्रीय रूप से maintain नहीं – अनुल्लेख पहुँच के अभाव का प्रमाण नहीं।

आगे की राह

हमारा नीति-सुझाव: (1) sanctioned बनाम consumed GPU घंटों के आँकड़े अलग-अलग प्रकाशित हों, ताकि पाइपलाइन और खपत का अंतर दिखे; (2) राज्य/जिला-वार पहुँच का स्वैच्छिक/समेकित प्रकाशन – क्षेत्रीय असमानता मापने हेतु, बिना भौगोलिक आवंटन-नीति बदले; (3) प्रस्ताव-लेखन बाधा पर सरल आवेदन-ट्रैक और समीक्षा-परिणामों की रिपोर्ट; (4) सब्सिडी-पात्रता और 40% सीमा के उपयोग-आँकड़े पोर्टल पर नियमित; (5) शास्त्री पार्क EFLOPS सिस्टम की प्रगति और उपयोग की समयबद्ध रिपोर्ट।

अवधारणा में अंतर

स्वीकृत उपयोगकर्ता ≠ सक्रिय उपयोगकर्ता; आवंटित (sanctioned) घंटे ≠ खपत (consumed) घंटे; "40% तक" ≠ समान 40%; "1 डॉलर से कम उपलब्ध" ≠ सार्वभौम शुल्क; राज्य-डेटा का अनुल्लेख ≠ पहुँच का अभाव; निजी AI हब ≠ केंद्रीय योजना; 29.07.2026-उत्तर ≠ अक्टूबर 2026 की स्थिति।

मेंस दृष्टि

GS-III विज्ञान-तकनीक/आर्थिक विकास: AI कंप्यूट को सार्वजनिक-बुनियादी सुविधा के रूप में डिज़ाइन करना – सब्सिडी, मांग-समुच्चयन, सॉवरिन क्षमता; तकनीक के लोकतंत्रीकरण में पहुँच-समानता का प्रश्न। उत्तर में रखें: सात पिलर में कंप्यूट पिलर, 15 CSP, 237/93.18 लाख (आवंटित), 40%/1 डॉलर की शर्तें, End User Policy, शास्त्री पार्क EFLOPS, राज्य-डेटा की स्थिति।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

सब्सिडी वाले GPU पहुँच के माध्यम से IndiaAI कंप्यूट पिलर AI पारिस्थितिकी का लोकतंत्रीकरण करना चाहता है। इस मॉडल की संरचना और सीमाओं का विश्लेषण कीजिए और छोटे/नए आवेदकों की समान पहुँच सुनिश्चित करने के उपाय सुझाइए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: IndiaAI मिशन, कंप्यूट पिलर का स्थान।

मुख्य भाग में: मॉडल (CSP एम्पैनलमेंट, मांग-समुच्चयन, पोर्टल, सब्सिडी-दरें); आँकड़े (15 CSP, 237 स्वीकृत, 93.18 लाख घंटे आवंटित); सॉवरिन क्षमता (शास्त्री पार्क 1.1 EFLOPS); पहुँच-प्रश्न (राज्य-डेटा स्थिति, End User Policy, outreach); निजी-सार्वजनिक सीमा (विशाखापत्तनम)।

निष्कर्ष में: एम्पैनलमेंट और सब्सिडी के साथ पहुँच और उपयोग के प्रमाण जाँचें; स्वीकृत उपयोगकर्ता तथा आवंटित GPU घंटे वास्तविक खपत के पर्याय नहीं हैं।

स्रोत

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1812, उत्तर 29.07.2026 (दो पृष्ठ)

विवरण 29 जुलाई 2026 के लोक सभा उत्तर (दो पृष्ठ, पूर्ण पठन; पाठ + पृष्ठ-प्रतिमान) से है। सभी संख्याएँ (15 CSP, 4 चरण, 237 उपयोगकर्ता, 93.18 लाख GPU घंटे, 40% तक, 1 अमेरिकी डॉलर/घंटे से कम, 1.1 EFLOPS, 300 अरब डॉलर IT राजस्व, 60 लाख कार्यबल) उत्तर-पाठ से जस का तस; “approved”/”sanctioned” को उपयोग/खपत नहीं माना; “up to”/”less than” शर्तें यथावत; राज्य/जिला-डेटा अनुल्लेख को पहुँच का अभाव नहीं माना; CORE-खोज और set-aside प्रश्न-पूर्वधारणा के रूप में; 29.07.2026-स्कोप से आगे वर्तमान स्थिति का दावा नहीं।

यह भी पढ़ें: IndiaAI मिशन: 762 समस्या-कथन, 58 उत्कृष्टता केंद्र।
याद रखें: उत्तर के अनुसार IndiaAI कंप्यूट पिलर के तहत 15 CSP, 237 स्वीकृत उपयोगकर्ता, लगभग 93.18 लाख आवंटित GPU घंटे, 40% तक सब्सिडी और 1 डॉलर/घंटे से कम दर उपलब्ध है; राज्य-वार डेटा केंद्रीय रूप से maintain नहीं, End User Policy अधिसूचित; विशाखापत्तनम AI हब निजी निवेश है। स्वीकृति और वास्तविक उपयोग के बीच का अंतर, और क्षेत्रीय पहुँच की मापनी, आगे की कसौटी हैं।